Histoary

→ 1919 का रौलेट एक्ट

→ क्रांतिकारी गतिविधियों को दबाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने न्यायाधीश सिडनी रौलेट की अध्यक्षता में 1917 ई० में एक समिति का गठन किया।

⇒ इस समिति 1919 में रौलेट एक्ट पास किया।

⇒ इस एक्ट द्वारा अंग्रेजी सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये जेल में रख सकती थी।

⇒ इस एक्ट को बिना अपील, बिना वकील और बिना दलील का कानून कहा गया।

⇒ इस एक्ट को मुहम्मद इकबाल ने काले कानून की संज्ञा प्रदान की।

⇒ इस एक्ट के विरोध में गांधी जी देशव्यापी सत्याग्रह चलाने का निर्णय लिया।

⇒ इस एक्ट के विरोध स्वामी श्रद्धानंद ने लगान (Tax) न देने के लिए आन्दोलन चलाने का सुझाव दिया।

जलियां वाला बाग हत्याकांड

- 13 April 1919
- वैशाखी के दिन, जलियां वाला बाग, अमृतसर (पंजाब)

⇒ पंजाब में रौलेट एक्ट का विरोध करने वाले दो स्थानीय कांग्रेसी नेता डॉ. सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार कर लिया गया

↳ 9 April 1919

⇒ 13 April 1919 को इस गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए जलियां वाला बाग में एक सभा बुलाई गई।

⇒ बैठक के विरोध में "माइकल ओ डायर" ने गोली चलाने का आदेश दिया।

⇒ भारत का वायसराय – चेम्सफोर्ड

रौलेट एक्ट (1919)

⇒ 13 अप्रैल 1919 जलियांवाला बाग हत्याकांड
13 April 1919 Jallianwala Bagh massacre

⇒ गांधी जी ने केसर-ए-हिन्द की उपाधि वापस कर दिया
Gandhiji returned the title of Kesar-e-Hind. Imp.

⇒ 'सुब्रमण्यम अय्यर' ने अपनी 'सर' की उपाधि वापस कर दी।
'Subramaniam Iyer' returned his title of 'Sir'.

⇒ रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि वापस कर दी। — Imp
Rabindranath Tagore returned his knighthood title

⇒ जमनालाल बजाज ने रायबहादुर की उपाधि वापस कर दी।
Jamnalal Bajaj returned the title of Raibahadur.

⇒ के० शंकर नायर ने वायसराय की कार्यकारिणी परिषद [Executive Council] से त्यागपत्र दे दिया

⇒ इस हत्याकांड की जांच हेतु ब्रिटिश सरकार ने हण्टर कमीशन का गठन किया।

⇒ कांग्रेस ने इस हत्याकांड की जांच हेतु मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में एक समिति नियुक्त की।

- अन्य सदस्य → महात्मा गांधी जी, मोती लाल नेहरू जी, अब्बास तैयब जी, जयंकर।

⇒ इस जांच समिति का प्रारूप [Draft] लिखने की जिम्मेदारी गांधी जी को दी।

⇒ इस हत्याकांड के जिम्मेदार माइकल ओ डायर की हत्या उधम सिंह जी ने कर दी।

असहयोग आन्दोलन

⇒ पहला जन आंदोलन था The first mass movement was

⇒ 1 अगस्त 1920 से शुरू हुआ Started from 1 August 1920

स्थगित
12 feb. 1922

⇒ अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार हुआ there was a boycott of English goods

⇒ स्कूल, कॉलेज, कोर्ट, मजदूर, हड़ताल
School, College, Court, labourus Strike

→ चौरा- चौरी कांड - (गोरखपुर यूनाइटेड प्रोविंस) - (UP) संयुक्त प्रांत
5 फरवरी 1922

Chauna - Chauri Incident - (Gorakhpur United Provinces) - 5 February 1922

असहयोग आन्दोलन

उद्देश्य - ① खिलाफत आन्दोलन का सम्मानजनक समाधान।
② जलियां वाला बाग के विरोध में न्याय की मांग
③ स्वराज की प्राप्ति

आन्दोलन का प्रस्ताव ⇒ 5 Sept. 1920 को I.N.C के कलकत्ता अधिवेशन में पेश
↳ अध्यक्ष - लाला लाजपत राय

प्रस्ताव का विरोध → सी० आर० दास व लाला लाजपत राय

→ असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव की पुष्टि (सहमति) → Dec. 1920, INC का नागपुर अधिवेशन

⇒ असहयोग आंदोलन के प्रस्ताव से असंतुष्ट होकर त्यागपत्र देने वाले नेता

⇒ मो० अली जिन्ना,
⇒ ऐनी बेसेंट
⇒ विपिन चन्द्र पाल
⇒ जी० एस० खापर्डे

→ असहयोग आंदोलन का प्रारंभ :- 1 Aug. 1920 → इसी दिन बाल गंगाधर तिलक जी की मृत्यु हुई।

→ इनकी मृत्यु पर गांधी जी ने कि आज मेरा सबसे बड़ा बचाव चला गया।

→ इनकी अर्थी को गांधी जी के साथ मुस्लिम नेता शौकत अली ने कंधा दिया।

Note:- बाल गंगाधर तिलक जी INC के ऐसे सदस्य थे जो कभी इसके अध्यक्ष नहीं बने।

असहयोग आंदोलन → लक्ष्य :- 1 वर्ष में स्वराज की प्राप्ति

→ वकालत त्याग सी० आर० दास, मोती लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, पं० जवाहर लाल नेहरू, विट्ठलभाई पटेल जैसे प्रतिष्ठित नेताओं ने अपनी वकालत त्याग दी

⇒ राष्ट्रीय विद्यालयो की स्थापना

(1) काशी विद्यापीठ
(2) गुजरात"
(3) बिहार "
(4) महाराष्ट्र विद्यापीठ
(5) जामिया मिलिया विश्वविद्यालय

→ बहिष्कार में सर्वाधिक सफल कपड़ो का बहिष्कार रहा।

→ विदेशी वस्त्रों को जलाये जाने पर गांधी जी ने कहा कि ये इनके साथ सर्वोत्तम व्यवहार है।

→ रविन्द्र नाथ टैगोर ने वस्त्रों को जलाये जाने पर इसे निष्ठुर बर्बरी बताया था।

→ 22 Sept. 1921 के बाद गांधी जी पूरे जीवन लंगोटी में रहें। या धोती

→ 17 Sept. 1921 को प्रिंस आफ वेल्स के भारत आगमन पर संपूर्ण भारत में हड़ताल का आयोजन किया गया। जो अखिल भारतीय स्तर की दूसरी हड़ताल थी।

→ इस आंदोलन के दौरान भारत का वायसराय - चेम्सफोर्ड

चौरी - चौरा कांड